कुष्ठ रोग पूरी तरह ठीक हो जाता है

स्वास्थ्य केन्द्रों पर **मुफ्त इलाज** उपलब्ध है

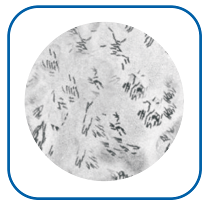

कुष्ठ रोग रोगाणुओं के कारण होता है
यह कोई अभिशाप नहीं है
यह वंशानुगत नहीं है, यानि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संचारित नहीं होता

कुष्ठ पीड़ित के स्पर्श से, जैसे हाथ मिलाने, साथ में खेलने या काम करने से कुष्ठ रोग **नहीं फैलता**

आमतौर पर कुष्ठ रोग की शुरूआत में त्वचा पर सुन्न धब्बा आता है

- छूने या दर्द का एहसास नहीं होता
- शरीर पर किसी भी जगह हो सकता है

त्वचा पर ऐसे बदलाव दिखने पर ज़रूरी है कि किसी स्वास्थ्यकर्ता या डॉक्टर से तुरन्त मिलें

कुष्ठ रोग 6-12 महीने तक दवाइयाँ लेने से पूर्णतः ठीक हो सकता है।
नियमित रूप से एम.डी.टी. इलाज लेने पर:

- पूर्णतः ठीक हो जाते हैं
- कोई शारिरिक विकृति नहीं आती
- अन्य व्यक्तियों में संचारित नहीं होता

कुष्ठ पीड़ित व्यक्ति किसी भी अन्य नागरिक की तरह ही एक सामान्य व सम्मानित जीवन जी सकता है

आओ एक साथ कदम बढ़ाएं, कुष्ठ रोग मुक्त भारत बनायें

SOURCE: WHO GLOBAL LEPROSY PROGRAMME

क्या आप जानते हैं?

कुष्ठ रोग सिर्फ एक जीवाणु के कारण होता है

याद से पहला साइन एक्शन टाइम
कुष्ठ जागरुकता अभियान

The Leprosy Mission Trust India
healing.inclusion.dignity

www.tlmindia.org

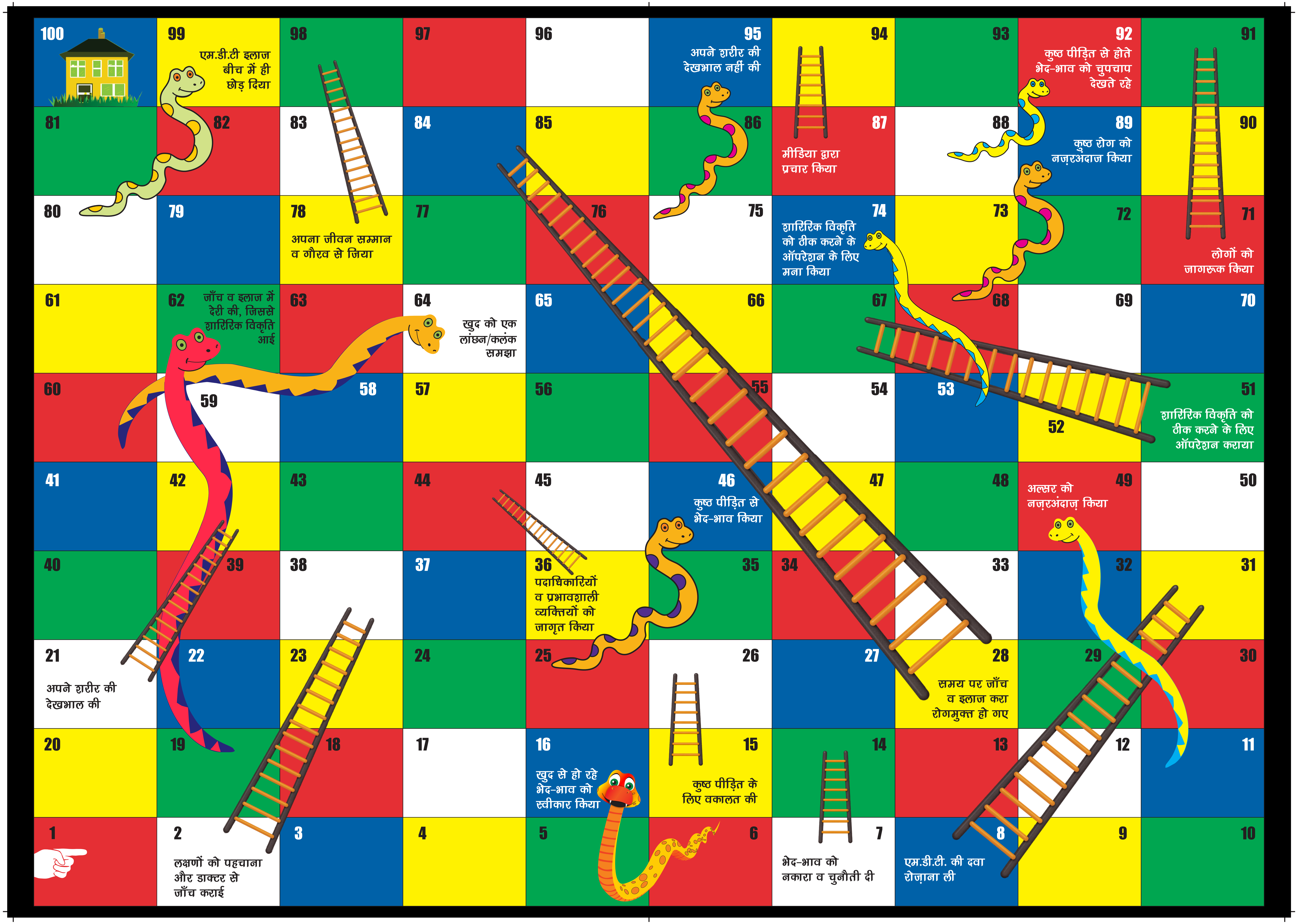
100
99 एम.डी.टी इलाज बीच में ही छोड़ दिया
95 अपने शरीर की देखभाल नहीं की
92 कुष्ठ पीड़ित से होते भेद-भाव को चुपचाप देखते रहे
89 कुष्ठ रोग को नज़रअंदाज किया
87 मीडिया द्वारा प्रचार किया
78 अपना जीवन सम्मान व गौरव से जिया
74 शारिरिक विकृति को ठीक करने के ऑपरेशन के लिए मना किया
71 लोगों को जागरूक किया
62 जाँच व इलाज में देरी की, जिससे शारिरिक विकृति आई
64 खुद को एक लांछन/कलंक समझा
51 शारिरिक विकृति को ठीक करने के लिए ऑपरेशन कराया
49 अल्सर को नज़रअंदाज़ किया
46 कुष्ठ पीड़ित से भेद-भाव किया
36 पदाधिकारियों व प्रभावशाली व्यक्तियों को जागृत किया
28 समय पर जाँच व इलाज करा रोगमुक्त हो गए
21 अपने शरीर की देखभाल की
16 खुद से हो रहे भेद-भाव को स्वीकार किया
15 कुष्ठ पीड़ित के लिए वकालत की
8 एम.डी.टी. की दवा रोज़ाना ली
7 भेद-भाव को नकारा व चुनौती दी
2 लक्षणों को पहचाना और डाक्टर से जाँच कराई
1